

261814

पत्रावली पेस दुई पत्रावली में सक्ती छेद सम्बन्ध  
 पेस कर्म के कई प्रकार दिदि जा चुके हो। पत्र  
 साहित्यिक लक्ष लक्षणा पेस वही लिपि गण हो  
 इन्हें भए साधित होता है (के सम्बन्ध ज्ञापक है  
 कोई ज्ञापकाही नहीं पाछा हो नमः 0325 पर  
 के लक्ष ज्ञापका साहित्य लिपि जाता हो पत्रावली  
 केवल शुभ्र होवनेवा से कम होवक पर  
 लक्षणीय वाचिक लक्ष है



११

अधिकारी  
 करीली (राज)